महात्मा गांधी विद्यामंदिर संचलित

समाजश्री प्रशांतदादा हिरे

कला, विज्ञान एवं वाणिज्य

महाविद्यालय, नामपुर

हिंदी साहित्य : विविध आयाम

(हिंदी हस्तलिखित पत्रिका)

शैक्षणिक वर्ष- २०१९-२०२०

Scanned by CamScanner

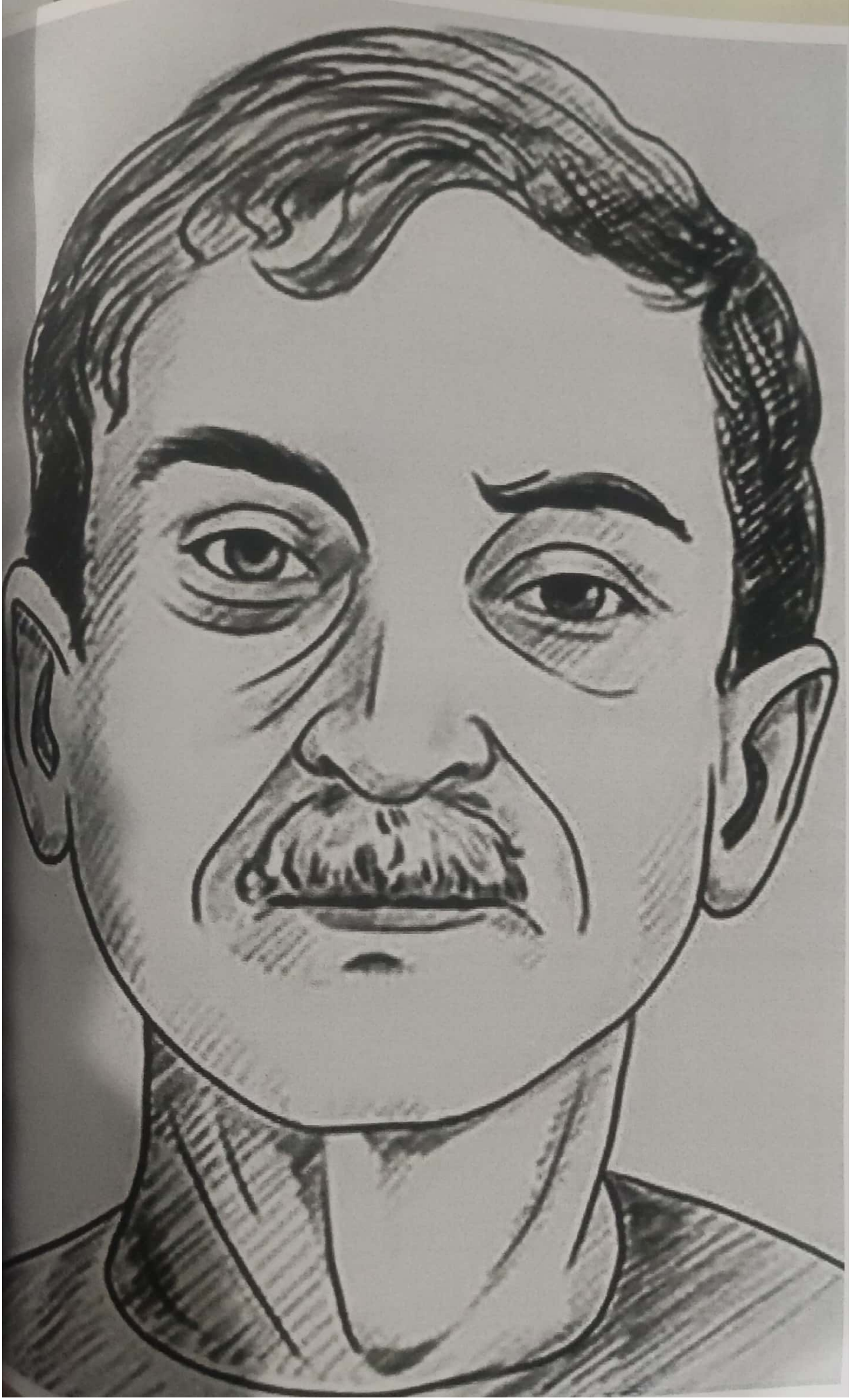

Scanned by CamScanner

साहित्य सम्राट प्रेमचंद

प्रेमचंद (31 जुलाई 1880 - 8 अक्टूबर 1936) हिन्दी और उर्दू के भारतीय लेखकों में से एक थे। मूल नाम धनपत राय श्रीवास्तव, प्रेमचंद को नवाब राय और मुंशी प्रेमचंद के नाम से भी जाना जाता है। उ.उ उपन्यास के क्षेत्र में उनके योगदान को देखकर बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने उन्हें उपन्यास सम्राट कहकर संबोधित किया था उ.उ प्रेमचंद ने साहित्य की यथार्थवादी परंपरा की नींव रखी। वे एक संवेदनशील लेखक, संचेत नागरिक, कुशल वक्ता तथा सुधी (विद्वान) संपादक थे। प्रेमचंद के बाद जिन लोगों ने साहित्य को सामाजिक सरोकारों और प्रगतिशील मूल्यों के साथ आगे बढाने का काम किया, उनमें यशपाल से लेकर मुक्तिबोध तक शामिल हैं। उनके पुत्र हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार अमृतराय हैं। जिन्होंने इन्हें कलम का सिपाही नाम दिया था।

प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी के निकट लमही गाँव में हुआ था। उनकी माता का नाम आनन्दी देवी था तथा पिता मुंशी अजायबराय लमहीं में डाकमुंशी थे। उनकी शिक्षा का आरंभ उर्दू, फारसी से और जीवनयापन का अध्यापन से। पढने का शौक उन्हें बचपन से ही लग गया। 13 साल की उम्र में ही उन्होंने तिलिस्म-ए-होशरुबा पढ लिया और उन्होंने उर्दू के मशहूर रचनाकार रतन नाथ 'शरशार' मिर्जा हादी रुस्वा और मौलाना शरर के उपन्यासों से परिचय प्राप्त कर लिया। 1898 में मैट्रिक की परिक्षा उत्तीर्ण करने के बाद वे एक साथ ही उन्होंने ने पढाई जारी रखी। 1910 में उन्होंने अंग्रेजी, दर्शन, फारसी और इतिहास लेकर इंटर पास किया और 1919 में बी.ए पास करने के बाद शिक्षा विभाग के इंस्पेक्टर पद पर नियुक्त हुआ। सात वर्ष की अवस्था में उनकी माता तथा चौदह वर्ष की अवस्था मे पिता का देहान्त हो. के कारण उनका प्रारंभिक जीवन संघर्षमय रहा। उनका पहिला विवाह पद्रंह साल की उम्र में हुआ जो सफल नही रहा। वे आर्य समाज से प्रभावित रहे, जो उस समय का बहुत बडा धार्मिक और सामाजिक आंदोलन था। कार्यक्षेत्र में

प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी कहानी के पितामह और उपन्यास सम्राट माने जाते हैं। यों तो उसके साहित्यिक जीवन का आरंभ 1901 से हो चुका था पर उनकी पहली हिन्दी कहानी सरस्वती पत्रिका के दिसम्बर अंक मे 1915 में सौत नाम से प्रकाशित हुई और 1936 में अंतिम कहानी कफन नाम से प्रकाशित हुई उनसे पहले हिंदि में काल्पनिक राज्यारी और पौराणिक धार्मिक रचनाएं ही की जाती थी। प्रेमचंद ने हिंदि में यथार्थवाद की शुरुआत की। भारतीय साहित्य का बहुत

Scanned by CamScanner

सा विमर्श जो बाद में प्रमुखता से उभरा चाहे वह दलित साहित्य हो या नारी साहित्य उसकी जड़े काफी गहरे प्रेमचंद के साहित्य में दिखाई देती हैं! प्रेमचंद लेख 'पहली रचना' के अनुसार उनकी पहली रचना अपने मामा पर लिखा व्यंग्य थी, जो अब अनुपलब्ध हैं! उनका पहला उपलब्ध लेखक उनका उर्दू उपन्यास 'असरारे मआबिद' है। प्रेमचंद का दूसरा उपन्यास 'हमखुर्मा व हमसवाब' जिसका हिंदि रूपांतरण 'प्रेमा' नाम से 1907 में प्रकाशित हुआ! इसके बाद प्रेमचंद का पहला कहनी संग्रह सोजे-वतन नाम से आया जो 1908 में प्रकाशित हुआ! देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होने के कारण इस पर अंग्रेजी सरकार ने रोक लगा दी और इसके लेखक को भविष्य में इस तरह का लेखक न करने की सरकार लगा दी!

इनकी अधिक तर कहानियों में निम्न वं मध्यम वर्ग का चित्रण है! डॉ. कमल किशोर गोयनका नें प्रेमचंद की संपूर्ण हिंदि-उर्दू कहानी को प्रेमचंद कहानी रचनावली नाम से प्रकाशित करा या है! उनके अनुसार प्रेमचंद ने कुल 301 कहानियाँ लिखी हैं जिनमें 3 सभी अप्राप्य हैं! प्रेमचंद का पहला कहनी संग्रह सोजे वेतन नाम से जून 1908 में प्रकाशित हुआ! इसी संग्रह की पहली कहानी दुनिया का सबसे अनमोल रतन को आम तौर पर उनकी पहली प्रकाशित कहानी माना जाता है। डॉ. गोयनका के अनुसार कानपुर से निकलने वाली उर्दू मासिक पत्रिका जमाना के अप्रेल अंक में प्रकाशित सांसारिक प्रेम और देश-प्रेम (इश्के दुनिया और हुब्बे वतन) वास्तव में उनकी पहली प्रकाशित कहानी है! प्रेमचंद की प्रमुख कहानियाँ 1) पंच-परमेश्वर 2) 'गुल्ली डंडा' 3) 'दो बैलों की कथा' 4) ईदगाह 5) 'बड़ेभाई साहब' 6) 'पूस की रात'.

ये नाटक शिल्प और संवेदना के स्तर पर अच्छे हैं लेकिन उनकी कहानियों और उपन्यासों ने इतनी ऊँचाई प्राप्त कर ली थी कि नाटक के क्षेत्र में प्रेमचंद को कोई खास सफलता नही मिली! ये नाटक वस्तुत: संवादात्मक उपन्यास ही बन गए हैं! अमृतराय द्वारा संपादित 'प्रेमचंद' विविध प्रसंग (तीन भाग) वास्तव में प्रेमचंद के लेखों का ही संकलन है! प्रेमचंद के लेख प्रकाशन संस्थान से कुछ विचार शीर्षक से भी छपे हैं। उनके प्रसिद्ध लेख हैं - 1) साहित्य का उद्देश 2) पुराना जमाना नया जमाना, 3) स्वराज्य के फायदे 4) कहानी कला हैं!

प्रेमचंद हिंदि के युग प्रवर्तक रचनाकार हैं। उनकी रचंनाओं में तत्कालीन इतिहास बोलता हैं। वे सर्वप्रथम उपन्यासकार थे जिन्होंने उपन्यास साहित्य को तिलस्मी और रोचारी से बाहर निकाल कर उसे वास्तविक भूमि पर ला खडा किया। उन्होंने अपनी रचनाओं मे जन साधारण की भावना ओं, परिस्थितियों और उनकी समस्याओं का मार्मिक चित्रण किया उनकी कृतियाँ भारत के सर्वाधिक विशाल और विस्तृत वर्ग की कृतियाँ हैं। प्रेमचंद की रचनाओं को देश ही नही विदेशो में भी आदर प्राप्त हैं। प्रेमचंद और उनकी साहित्य का अंतरराष्ट्रीय महत्त्व हैं। आज उन पर और उनके साहित्य पर विश्व के उस विशाल जन समूह को गर्व हैं जो साम्राज्यवाद पूजीवाद और सामंतवाद के साथ संघर्ष में जुटा हुआ हैं।

नाम :- गायकवाड सोनल रंजन
S.Y.B.A हिंदी

Scanned by CamScanner

महात्मा गांधी विद्यामंदिर संचालित , समाजश्री प्रशांतदादा हिरे कला,विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालय नामपूर तालुका बागलाण जि.नाशिक

हिन्दी विभाग

विषय : साहित्य एवं साहित्यकार परिचय हस्तलिखित वर्ष २०२२-२३

अ. क्र.	छात्र /छात्राओ का ना	हस्तलिखित विषय
१	सचिन निंबाजी चव्हाण	यशपाल यवं साहित्य परिचय
२	किरण लक्ष्मण अहिरे	नागार्जुन एवं साहित्य परिचय
३	सुनील पंडित बरू	माखणलाल चतुर्वेदी जीवन साहित्य परिचय
४	रितेश राजेंद्र अहिरे	अज्ञेय साहित्य जीवन परिचय
५	पुनीत बापू शेवाळे	हरिवंशराय बच्चन
६	कामिल बाओदिन शेख	सुभद्रा कुमारी चौहान जीवन एवं साहित्य परिचय
७	सीमा पंजाराम सूर्यवंशी	हरीशंकर परिचय
८	योगिता राजेंद्र कुमावत	हरीशंकर परिचय
९	मयूरी भाऊसाहेब बच्छाव	काका हाथरसी परिचय
१०	प्रियंका खंडू वाघ	फणीश्वरनाथ रेणू परिचय
११	तुषार पोपट शेवाळे	बालकृष्ण शर्मा नवीन
१२	जयश्री अनिल देवरे	बालकृष्ण शर्मा नवीन
१३	माधुरी दीपक देवरे	जयशंकर प्रासाद परिचय
१४	हर्षाली सजन गायकवाड	उषा प्रियवंदा परिचय
१५	भाविका प्रवीण मोरे	सुमित्रानंदन पंत परिचय
१६	कविता सुनील नंदन	महावीर प्रासाद त्रिवेदि श्रीधर पाण्ड
१७	मनिषा रवींद्र शेळके	श्रीधर पाण्ड
१८	मनिषा विलास अहिरे	सुभद्रा कुमारी चौहान परिचय
१९	अंकिता केवळ भामरे	महादेवी वर्मा परिचय
२०	साक्षी संजय गांगुर्डे	फणीश्वरनाथ रेणू परिचय
२१	तनुजा विजय गांगुर्डे	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
२२	वैष्णवी नानाजी पगार	सुमित्रानंदन पंत
२३	वैष्णवी युवराज ठाकरे	यशपाल परिचय
२४	कावेरी दिपक जाधव	माखणलाल परिचय
२५	महेश सुरेश कापडणीस	उषा प्रियवंदा परिचय
२६	शुभम भाऊसाहेब कापडणीस	निर्मल वर्मा परिचय
२७	स्नेहल रावसाहेब खरे	सुधामा पांडे
२८	अश्विनी उदाराम देवरे	माखणलाल चतुर्वेदी
२९	तजिम समिर खान	बालकृष्ण शर्मा नवीन
३०	अभिशेख भाऊसाहेब पवार	मुंशी प्रेमचंद्र साहित्य

HEAD
DEPARTMENT OF HINDI
Samajshree Prashantdada Hiray Arts, Sci
& Comm. College, Nampur, Tal.Baglan (Nashik)

Scanned by CamScanner

महात्मा गांधी विद्यामंदिर संचालित , समाजश्री प्रशांतदादा हिरे क
व वाणिज्य महाविद्यालय नामपूर तालुका बागलाण जि.ना

हिन्दी विभाग

विषय : साहित्य एवं साहित्यकार परिचय हस्तलिखित वर्ष -२०२१-२२

अ. क्र.	छात्र /छात्राओ का नाम	हस्तलिखित विषय
१	अहिरे मनिषा	तुलसीदास
२	पगार वैष्णवी	कबीर काव्य प्रासंगिकता
३	मोकासरे रोहित कृष्णा	कबीर की भाषा
४	वाघ दुर्गेश आनंदराव	कबीर के राम
५	बच्छाव ज्योत्सना	तुलसीदास का समन्वय वाद
६	वाघ जयश्री	तुलसीदास के काव्यसौन्दर्य
७	पगार साक्षी किशोर	तुलसीदास की प्राकृती चित्रण
८	राजपुरोहित कंचन	तुलसीदास के राम
९	शेळके निशा	तुलसी की भक्तीभावणा
१०	अहिरे पल्लवी	कबीर के सामाजिक विचार
११	शेवाळे तुषार पोपट	कबीर के धार्मिक विचार
१२	जाधव कावेरी दीपक	कबीर की रहस्यनुभुती
१३	गांगुर्डे साक्षी	विरत्व के कवि भूषण
१४	गांगुर्डे साक्षी	भूषण काव्य में चरित्र चित्रण
१५	गांगुर्डे तनुजा	भूषण काव्य का सौंदर्य चित्रण
१६	पवार अभिशेख	भूषण वीर रस के श्रेष्ठ कवी हैं
१७	कोर निकिता लक्ष्मण	संत मीरा
१८	पवार नुतन	मीरा का वियोग वर्णन
१९	पवार गीतांजली	मीरा का काव्य शिल्प
२०	गायकवाड गौरव	मीरा की भाषा
२१	देसले माधुरी	भक्ति विषयक विचार
२२	शहा अनेय	काव्य शिल्प
२३	पगार कावेरी	सुर का भ्रमरगीत
२४	पाटील कावेरी राजेंद्र	सुर का वियोगवर्णन
२५	खान तंजीन	सुर का वात्सल्यवर्णन
२६	भामरे अंकिता	नीती विषयक विचार
२७	ठाकरे वैष्णवी	शृंगार वर्णन
२८	बागुल अश्विनी	बिहारी सतसई परंपरा
२९	शिंदे सुवर्णा पोपट	महाकवी सुरदास
३०	कापडणीस चेतना	कबीर और तुलसी के राम
३१	भामरे रिंकु	नीति और कवि रहीम
३२	देवरे माधुरी	रहीम की सौन्दर्य योजना
३३	अहिरे कोमल	सुरदास की साहित्य रचनाए

HEAD
DEPARTMENT OF HINDI
Samajshree Prashantdada Hiray Arts, Sci.
& Comm. College, Nampur, Tal.Baglan (Nashik)

Scanned by CamScanner

महात्मा गाँधी विद्यामंदिर संचलित,

समाजश्री प्रशांतदादा हिरे कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय
नामपुर तह. बागलान जि. नाशिक महाराष्ट्र

हिंदी विभाग

विषय : साहित्य एवं साहित्यकार परिचय हस्तलिखित वर्ष - २०१९-२०२०

अ क्रम.	छात्र / छात्राओं का नाम	हस्तलिखित विषय
1.	गायकवाड सोनल रंजन	प्रेमचंद
2.	मोहिते मनीषा	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
3.	मोरे कल्याणी	जयशंकर प्रसाद
4.	देसले रोशनी	महादेवी वर्मा
5.	शेख निषाद	हरिवंशराय बच्चन
6.	बच्छाव कामिनी	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
7.	शेवाले तुषार	दुष्यंत कुमार
8.	अहिर योगेश	धूमिल
9.	सानवन विशाल	चंद्रकांत देवताले
10.	पिंजारी अजहर	लीलाधर जुगंडी
11.	खैर निकिता	उदयप्रकाश
12.	अहिर ललिता	मंगलेश डबराल
13.	अहिर कविता	सुशांत सुप्रिय
14.	शिंदे सुवर्णा	नागार्जुन
15.	देसले अर्चना	मोहनदास नैमिशराय
16.	अहिर कोमल	सूरजपाल चौहान
17.	कापडनिस जागृति	महादेव टाप्पा
18.	देसले यश	उषा यादव
19.	जगताप हर्षल	मनीषा कुलश्रेष्ठ
20.	देसले अक्षय	मृदुला गर्ग

HEAD
DEPARTMENT OF HINDI
Samajshree Prashantdada Hiray Arts, Sci.
& Comm. College, Nampur, Tal.Baglan (Nashik)

Scanned by CamScanner